पाठ 15. क्या निराश हुआ जाए

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में विवेचनात्मक सोच संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे अपने अनुभवों का सकारात्मक मूल्यांकन कर सकें। हिंदी जगत के महान लेखक तथा निबंधकार आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ने इस पाठ में लोगों को अपने-आप पर विश्वास रखने की भावना को जागृत किया है। साथ ही, लोगों को इस बात के लिए प्रेरित करने की कोशिश की है कि वे निराशा को तज कर अपनी ऊर्जा आशा की किरण उत्पन्न करने में लगाएँ।

पाठ का सार

भले ही समाज में लूटपाट तथा धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ गई हों परंतु आज भी अच्छे लोगों की कमी नहीं है। आज भी समाज में सेवा, ईमानदारी और सच्चाई समूल नष्ट नहीं हुई हैं। एक बार सफ़र करते समय लेखक ने दस के बजाय सौ रुपये का नोट टिकट बाबू को दे दिया तथा बाकी रुपये वापस लेना भूल गए। थोड़ी देर बाद टिकट बाबू ने बाकी रुपये ट्रेन के डिब्बे में आकर लेखक को वापस कर दिए। एक दूसरी घटना में लेखक अपनी पत्नी तथा बच्चों के साथ यात्रा कर रहे थे। गंतव्य से पहले ही बस निर्जन स्थान पर खराब हो गई। सभी यात्री डर गए कि कहीं ड्राइवर तथा कंडक्टर की मिलीभगत से डाकू बस यात्रियों को न लूट लें। मगर उन दोनों ने दूसरी बस का इंतज़ाम कराया तथा लेखक के बच्चों के लिए दूध तथा पानी की व्यवस्था भी कराई। ऐसी घटनाएँ भी कम नहीं हैं जब लोगों ने धोखा दिया हो परंतु कुछ लोगों की वजह से सारी दुनिया को ही गलत समझ बैठना अनुचित है। इसलिए लेखक कहता है कि निराश होने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि इस संसार में आशा की ज्योति अभी बुझी नहीं है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  आशा-निराशा, जीवन के लक्ष्य, जीने के ढंग, आदि के बारे में बच्चों से विस्तार से चर्चा करें। पाठ में वर्णित दो महत्वपूर्ण घटनाओं से मिलने वाले संदेशों से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। इन अंशों को संवाद के रूप में परिवर्तित कर बच्चों से अभिनय कराया जा सकता है। कुछ बच्चों का मनोबल अपने परीक्षाफल आदि के कारण नीचे गिर जाता है। ऐसे बच्चों को इस पाठ से सबक लेने के लिए उत्प्रेरित करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 79** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य की परिभाषा दोहराएँ। बच्चे सरल वाक्य की पहचान आसानी से कर लेते हैं लेकिन उन्हें संयुक्त वाक्य व मिश्र वाक्य में अंतर समझने में कठिनाई होती है। इसलिए, संयुक्त वाक्य व मिश्र वाक्य के उदाहरण देकर उनमें अंतर स्पष्ट करें। उपवाक्य व आश्रित वाक्य की चर्चा अवश्य करें।
  - प्रत्यय की परिभाषा दें और प्रत्यय से शब्द निर्माण के कुछ उदाहरण दें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**

- ‘छोड़ो कल की बातें . . .’ गीत हमें जीवन में कुछ नया करने की प्रेरणा देता है। इस गाने का अर्थ बच्चों को समझाएँ।
- साक्षात्कार लेने के लिए बच्चों को सामूहिक रूप से प्रश्नावली तैयार करने को कहें। उस प्रश्नावली को सटीक व संक्षिप्त करने में बच्चों की सहायता करें।
- ‘नर हो . . .’ कविता निराशा हटाने और आशा में जीने की प्रेरणा देता है। इस कविता का मूल भाव बच्चों से ही पूछें। यदि वे कहीं अटकते हों तो उनकी सहायता करें।